प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पुरस्कार वितरण के साथ 115वें किसान मेले का समापन

पंतनगर। 12 मार्च 2024। चार–दिवसीय किसान मेले का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आज विश्वविद्यालय के गांधी हाल में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं बिरला इस्टि्टयूट ऑफ टेक्नोलजी अप्लाइड साइंसेज, भीमताल के अध्यक्ष डा. बी.एस. बिष्ट थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान, निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. जितेन्द्र क्वात्रा एवं निदेशक शोध, डा. ए.एस. नैन मंचासीन थे।

मुख्य अतिथि डा. बी.एस. बिष्ट ने बताया कि विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर चल रहा है और अब तक नई–नई तकनीकों एवं विभिन्न फसलों की प्रजातियों को विकसित कर किसानों के द्वार तक पहुंचा रहा है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों से निरंतर संपर्क बना रहता है, जिससे किसान विश्वविद्यालय में आकर नवीन तकनीकों को प्रशिक्षण एवं गोष्ठियों के माध्यम से ग्रहण करते है और वे इनका उपयोग अपनी खेती में करते है जिससे उन्हें अच्छी उपज के साथ–साथ उनकी आय में भी वृद्धि होती है। उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अध्ययन करने एवं नयी सोच विकसित करने का सुझाव दिया तथा बताया कि आज के दौर में जहां प्रतिस्पर्धा हावी है फिर भी विश्वविद्यालय अब भी अपनी पहचान बनाये हुए है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी दुनिया भर में विश्वविद्यालय के नाम का परचम लहरा रहें है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के पूर्व वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से ही विश्वविद्यालय का नाम विश्वविख्यात हुआ है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की पहचान एक अनुभवी के रूप में की जाती है और उनको विश्व में प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने बीज, प्रौद्योगिकी एवं मशीनिकरण के उद्देश्य को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने किसानों से कहा कि उनके पास तकनीकियों का भण्डार है जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकते है और देश के खाद्यान्न की स्थिति को बदल सकते है। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को किसानों की जिज्ञासाओं को समाप्त कर उपयुक्त दिशा–निर्देश दिया जाना चाहिए। उन्होंने आशा की कि वैज्ञानिक नयी तकनीक एवं उन्नत प्रजातियों से पन्तनगर विश्वविद्यालय को फिर से उच्चतम शिखर तक पहुचाएंगे।

कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने बताया कि विश्वविद्यालय इन तीन छोर शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रसार पर कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि विभिन्न जनपदों से उत्तर प्रदेश एवं पड़ोसी देशों से किसान इस मेले में आकर विभिन्न तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर उसको अपने उपयोग में लाते है। उन्होंने बताया कि भारत देश में कृषि विश्वविद्यालयों में पन्तनगर विश्वविद्यालय सर्वोत्तम स्थान पर है। देश–विदेशों में पन्तनगर विश्वविद्यालय के नाम से ही उत्तराखण्ड राज्य को पहचाना जाता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा गोष्ठी, प्रशिक्षण, प्रचार–प्रसार के माध्यम से किसानों को नवीन तकनीकों की जानकारी प्रदान की जाती है जिसे वे अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर रहे है। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से कहा कि मेले में विभिन्न फर्मों, उद्यमियों द्वारा नई–नई तकनीकों की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस मेले को सफल बनाने में विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियो एवं कर्मचारियों का योगदान सराहनीय रहा है।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में चार–दिवसीय 115वें किसान मेले के बारे में जानकारी देते हुए डा. जितेन्द्र क्वात्रा ने बताया कि विश्वविद्यालय के लगभग 19.5 लाख के बीज, पौधे व कृषि साहित्यों की बिक्री की गयी तथा विभिन्न स्टालों से लगभग 28.5 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि इस मेले में विभिन्न फर्मों, विश्वविद्यालय एवं अन्य सरकारी संस्थाओं के छोटे–बड़े लगभग 352 स्टाल लगाये गये व लगभग 12 हजार से अधिक पंजीकृत एवं अपंजीकृत किसानों ने मेले का भ्रमण किया।

विश्वविद्यालय में चल रहे चार–दिवसीय किसान मेले के समापन समारोह में आज किसान मेले में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा प्रदर्शित किये गये चयनित स्टालों को पुरस्कृत किया। सर्वोत्तम स्टाल के लिए मैसर्स किसान फर्टिलाइर्जस एजेंसी, काशीपुर तथा सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए मैसर्स जय गुरूदेव इन्डस्ट्रीज, रूद्रपुर को पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त इस अवसर पर किसान मेले में आयोजित पशु प्रदर्शनी एवं अन्य प्रतियोगिता में विभिन्न स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को भी पुरस्कार प्रदान किये गये। साथ ही मेले में लगाये गये विभिन्न वर्गों के स्टॉलों को भी उनके प्रदर्शन व बिक्री के आधार पर पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह में डा. ए.एस. नैन ने कार्यक्रम के अंत में सभी का धन्यवाद दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशकगण, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, विद्यार्थी एवं कृषक उपस्थित थे।

किसान मेले के समापन समारोह में संबोधित करते मुख्य अतिथि डा. बी.एस. बिष्ट।

मेले में सर्वोत्तम स्टाल का पुरस्कार मैसर्स किसान फर्टिलाइजर एजेंसी, काशीपुर को प्रदान करते कुलपति, डा. मनमोहन सिंह चौहान एवं मुख्य अतिथि।

निदेशक संचार